तैयारी | यूपी के उत्पादों की मांग का पूर्वानुमान और निर्यात व्यवस्था की ट्रैकिंग की जाएगी

निर्यात बढ़ाने को मार्केट रिसर्च सेंटर बनेंगे

लखनऊ, विशेष संवाददाता

प्रदेश का निर्यात बढ़ाने के लिए आर्थिक मदद के साथ मार्केट की भी जानकारी उद्यमियों को दी जाएगी। मार्केट इंटेलीजेंस, उत्पादों की मांग का पूर्वानुमान, निर्यात ट्रैकिंग जैसी सुविधा मुहैया कराई जाएगी। इसके लिए मार्केट रिसर्च सेंटर बनाए जाएंगे।

प्रदेश सरकार ने निर्यात बढ़ाने के लिए बाजार के विकास पर फोकस किया है। इसका मकसद मार्केट इंटेलीजेंस का इस्तेमाल करते हुए प्रदेश के उत्पादों की वैश्विक पहुंच का विस्तार करना और राज्य के निर्यातकों के लिए व्यापार के अवसर उपलब्ध कराना। बाजार की मांग, भविष्य की मार्केट के लिए प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में मार्केट रिसर्च सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव है। साथ ही ई-कॉमर्स प्लेटफार्मो का उपयोग करने, निर्यात प्रोत्साहन कार्यक्रमों की मेजबानी, विदेश व्यापार दूतावासों से संपर्क, प्रदेश के निर्यात योग्य उत्पादों को जीआई-टैग दिलाने पर फोकस होगा ताकि वैश्विक बाजार का ध्यान केंद्रित किया जा सके।

- निर्यात बढ़ाने के लिए बाजार के विकास पर फोकस
- प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक स्तर तक पहुंचाना मकसद

- ई कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के उपयोग को प्रोत्साहन दिया जाएगा
- मार्केट इंटेलीजेंस और डाटा आधारित सूचना का प्रयोग

निवेश प्रोत्साहन नीति में पांच करोड़ का प्रावधान

मार्केट रिसर्च का काम आईआईटी, आईआईएम जैसे पेशेवर संस्थानों को सौंपा जा सकता है। यहां स्थापित होने वाले रिसर्च सेंटर निर्यात इकोसिस्टम के लिए मार्केट जानकारी मुहैया कराएगी। मार्केट रिसर्च सेंटर की स्थापना के लिए निर्यात प्रोत्साहन नीति में पांच करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इन सेंटरों का प्रमुख काम बाजार में अवसर विश्लेषण, उत्पाद मांग का पूर्वानुमान, एक्सपोर्ट ट्रैकिंग, प्रतिस्पर्धी विश्लेषण होगा। इसके अलावा वार्षिक मार्केट इंटेलीजेंस रिपोर्ट की समीक्षा तथा सुधार से संबंधित रिपोर्ट भी तैयार करेंगे।